६०१/१५०

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - ६ जून, २०१०)

(समय : सुबह ९:०० से १२:००) **सत्संग प्रवीण - १**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : १००**

विभाग-१ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना - द्वितीय संस्करण, मार्च - २००७

प्र.१ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए । (संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है ।)[६]

१. साकार स्वरूप में रुचि । (११)
२. गुणातीत संत के लक्षण । (८९)
३. सब से परे अक्षरधाम और अक्षरधामाधिपति श्रीहरि सर्वोपरि । (३६)
४. अक्षरब्रह्म का स्वरूप । (११३)

प्र.२ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए । [५]

उदाहरण : ''मारुं धाम छे रे, अक्षर अमृत जेनुं नाम । तेमां हुं रहुं रे, द्विभुज दिव्य सदा साकार ॥''

उत्तर : धाम में और पृथ्वी पर - दोनों जगह सदा साकार ।

१. वे ही अनंत ब्रह्मांडों के राजाधिराज तथा अक्षरब्रह्म के भी कारण हैं । (४०)
२. धर्म, वैराग्य और आत्मनिष्ठा से मोक्ष नहीं होता । (३)
३. वे तो उस स्वरूप तथा इस स्वरूप में लेशमात्र भी अंतर नहीं समझते । (२२-२३)
४. निराकार तथा अन्य अवतार सदृश जानेगा तो उस स्वरूप के विरुद्ध द्रोह कहलाएगा । (१४)
५. समस्त ब्रह्मांडों की उत्पत्ति, स्थिति और प्रलय का कर्ता भी में ही हूँ । (८)

प्र.३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [४]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. प्रकट भक्ति की महिमा । (७१)
   (१) ☐ प्रगट स्वरूप उपासी, धन्य सो प्रगट स्वरूप उपासी ।
   (२) ☐ प्रकटना भजनथी परम सुख पामीए ।
   (३) ☐ प्रकटने भजी भजी पार पाम्यां घणां, गीध, गणिका, कपिवृंद कोटि ।
   (४) ☐ प्रकट भगवान हैं, प्रकट बातें हैं, परन्तु अन्यत्र तो चित्रित किए हुए सूर्य हैं ।

२. अक्षरब्रह्म किन किन रूप में कार्य करते हैं ? (११४, ११७)
   (१) ☐ परब्रह्म के अंतर्यामी स्वरूप में । (२) ☐ सच्चिदानंद चिदाकाश तेजरूप ।
   (३) ☐ मनुष्य देहधारी । (४) ☐ साकार मूर्तिमान सदा दिव्यविग्रह ।

प्र.४ निम्नलिखित किसी एक प्रसंग का वर्णन कर के उसका सिद्धांत लिखें । [४]

१. हंमेशां स्वामी की शरण में रहना । स्वामी को तुम कभी बेबसी में मत डालना । (१४७)
२. अठारह गुदड़ियों का भार । (१२८)
३. सद्गुरु खेले वसंत । (१२८)

प्र.५ किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए । (बारह पंक्ति में) [८]

१. श्रीजीमहाराज के मुख से गुणातीतानंद स्वामी की अपूर्व महिमा । (१३१)
२. गुणातीतसंत की महिमा - विभिन्न शास्त्रों में । (१००)
३. परब्रह्म पुरुषोत्तम नारायण - एक एवं अद्वितीय । (५१)
४. अक्षर रूप होकर पुरुषोत्तम की स्वामी-सेवक भाव से उपासना । (१०५)

प्र.६ निम्नलिखित किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें । (बारह पंक्ति में) [८]

१. सूर्य के सामने फेंकी हुई धूल अपनी आँखों में ही पड़ती है । (२८-२९)
२. भगवान सदैव साकार मूर्ति के रूप में विराजमान रहते हैं । (२१)
३. सबसे अधिक तो बड़े संत है । (९६)
४. शास्त्रीजी महाराज भोयका मालजी सोनी की बात सुनने गए । (१४०)

प्र.७ उपासना में क्या समझना चाहिए ? और क्या नहीं समझना चाहिए ? उसके आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए । [७]

(उपासना में क्या समझना चाहिए ?)

१. इस लोक में से ..... सम्यक रूप से प्रकट हैं । (१५७)
२. परब्रह्म पुरुषोत्तम ..... हैं । (१५५)
३. हमारी उपासना अक्षर ..... दो चरण की ही है । (१५६)
४. जीव, ईश्वर ..... अनादि तत्त्व हैं । (१५५)

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए ?)

५. प्रकट ब्रह्मस्वरूप संत ..... ऐसा नहीं समझना चाहिए । (१५८)
६. जब भगवान पृथ्वी ..... ऐसा नहीं समझना चाहिए । (१५८)
७. शिक्षापत्री ..... ऐसा नहीं समझना चाहिए । (१५९)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवीण-१**'' परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ साल ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.८ टिप्पणी लिखिए । उत्पत्ति सर्ग के आधार पर श्रीजीमहाराज की सर्वोपरिता का वर्णन किजिए । (४९) **[५]**

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ - प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००२
और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज - प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००३

प्र.९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **[९]**

१. ''जब हाथी फँस जाता है, तो उसे निकालने के लिए हाथी ही चाहिए ।'' (५८) **अथवा**
२. ''हमें उनसे वेर वसूल नहीं करना है, महाराज जो कुछ करेंगे अच्छा ही करेंगे ।'' (५१)
३. ''श्रीजीमहाराज का मुझे संदेश है कि जल्द ही गढ़डा पहुँचे !'' (६९) **अथवा**
४. ''यह बीड़ी स्वास्थ्य के लिए भारी नुकसानदेह है ।'' (४९)
५. ''जो भी फल प्राप्त होता है, प्रभु इच्छा से ही होता है ।'' (२०) **अथवा**
६. ''आज आपकी छोटी कुटियों में हमें सच्चे भक्तिभाव का दर्शन हुआ है ।'' (३६)

प्र.१० निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) **[८]**

१. गोपालानन्द स्वामी ने दूध के बर्तन लुढ़का दिए । (४२) **अथवा** २. सारंगपुर में हनुमानजी कि मूर्ति काँपने लगी । (६)
३. कूकड़ और ओदरका बीच में उमंग छलक रहा था । (५५) **अथवा** ४. सेवा ही उत्सव । (४०)

प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) **[८]**

१. संसार में अनासक्त शिवलाल सेठ । (७७) **अथवा** २. मुक्तानंद स्वामीकी साधुता । (२४)
३. डाह्याभाई को अक्षरधाम का आनंद । (४३) **अथवा** ४. सारंगपुर के हरिजन युवकों का दिव्य अनुभव । (२६)

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[५]**

१. ध्रांगध्रा गाँव के महात्मा द्वारकादासने मुकुन्ददास को किस के पास जाने को कहा ? (१७)
२. ईड़र के राजा किस के पास क्षमाप्रार्थना करने गये ? (३)
३. महाराजने लालजी सुथार को कोन से गाँव में दीक्षा दी ? (३८)
४. शाही अपमान करनेवाले के लिए स्वामीश्रीने सेवकों से क्या कहा ? (३१)
५. गुरु शास्त्रीजी महाराज की चिठ्ठी में क्या लिखा था ? (१०)

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. गोपालानन्द स्वामी ने किन किन को गुणातीतानन्द स्वामी की महिमा समझाई ? (९)
(१) ☐ प्रागजी भक्त । (२) ☐ जागा भक्त । (३) ☐ केशवजीवनदास । (४) ☐ शिवलालभाई सेठ ।

२. रघुवीरजी महाराज ने किन किन ग्रंथों की रचना करवाई ? (५५)
(१) ☐ हरिलीलामृत । (२) ☐ हरिलीलाकल्पतरु । (३) ☐ शिक्षापत्री भाष्य । (४) ☐ वचनामृत ।

३. प्रमुखस्वामी महाराज की भक्तवत्सलता को झिलनेवाले पात्र । (३२, ४३, ४७)
(१) ☐ विरमगाँव का गणेश । (२) ☐ वलसाड के गरीब का लडका प्रशांत ।
(३) ☐ केन्या के राष्ट्रपति जोमो केन्याटा । (४) ☐ कैन्सरग्रस्त डाह्याभाई ।

४. जिन्हों ने प्रमुखस्वामी की प्रशंसा की है । (१६, १५)
(१) ☐ नानी पालखीवाला । (२) ☐ आत्मानन्दजी स्वामी ।
(३) ☐ महात्मा गांधी । (४) ☐ राष्ट्रप्रमुख बुश ।

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए । **[१५]**

१. वस्त्रपरिधान : भगवान स्वामिनारायण । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) एप्रिल - २००८, पा. नं. २१ से २७)
२. मार्ग भूले हुए जीवन का सच्चा मार्ग : मंदिर और सत्संग । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) जून - २००७, पा. नं. २१ से २५)
३. टीनएज संतान : स्वामी ने बताया हुआ मार्ग । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) जनवरी - २००९, पा. नं. २२ से २९)

❋ ❋ ❋

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ४ जुलाई, २०१० के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।